Hindi

Activities

Year 12 Term 1 2021

6TH – 10TH APRIL

Day 1

वर्ष १२

विज्ञान – वरदान या अभिशाप

आवश्यकता अविष्कारों की जननी है और विज्ञान है उसका मार्ग । 'विज्ञान' का शाब्दिक अर्थ है – विशेष या विश्लेषित ज्ञान । विज्ञान एक शक्ति है जो नित नए आविष्कार करती है । यह शक्ति न तो अच्छी है, न बुरी । अगर हम उस शक्ति से मानव-कल्याण के कार्य करें तो वह 'वरदान' प्रतीत होता है । अगर उसी से विनाश करना शुरू कर दे तो वह 'अभिशाप' बन जाता है ।

This is a watermark for the trial version, register to get the full one!

Benefits for registered users:
1.No watermark on the output documents.
2.Can operate scanned PDF files via OCR.
3.No page quantity limitations for converted PDF files.

Remove Watermark Now

कार्यों को न्यूनतम समय में त्रुटिहीन तरीके से कर सकते है । विज्ञान के कोटि-कोटि वरदानों का विवरण देना असंभव है । ऐसे में इतना ही कहा जा सकता है कि सचमुच विज्ञान 'वरदान' ही तो है ।

मनुष्य ने जहाँ विज्ञान से सुख के साधन जुटाए हैं, वहाँ दु:ख के अंबार भी खड़े कर लिए हैं । विज्ञान के द्वारा हमने अणु-बम, परमाणु-बम तथा अन्य ध्वंसकारी अस्त्र-शस्त्रों का निर्माण कर लिए हैं । वैज्ञानिकों का कहना है कि अब दुनिया में इतनी विनाशकारी सामग्री इकट्ठा हो चुकी है कि उससे सारी पृथ्वी को अनेक बार नष्ट किया जा सकता है ।

प्रदूषण की समस्या अलग फैली हुई है । नित नए असाध्य रोग पैदा होते जा रहे हैं जो वैज्ञानिक उपकरणों के अंधाधंध प्रयोग के दुष्परिणाम हैं । वैज्ञानिक प्रगति का सबसे बड़ा दुष्परिणाम मानव-मन पर भी हुआ है । पहले जो मानव निष्कपट था, निस्वार्थ था और बेपरवाह था, वह अब छली, स्वार्थी, धुर्त, भौतिकवादी तथा तनावग्रस्त हो गया है । नैतिक मूल्य नष्ट हो गए हैं ।

विज्ञान तो एक शक्ति है जिसका उपयोग कल्याण के लिए भी हो सकता है और संहार के लिए भी । वास्तव में विज्ञान को वरदान या अभिशाप बनाने वाला मनुष्य है । उसे वरदान या अभिशाप बनाना मनुष्य की विचारधारा पर आधारित है । हमें याद रखनी चाहिए "विज्ञान अच्छा सेवक है, लेकिन बुरा हथियार" ।

शिक्षक कृपया प्रश्न तैयार करें :

Day 2

This is a watermark for the trial version, register to get the full one!

अनुवाद

Benefits for registered users:
1.No watermark on the output documents.
2.Can operate scanned PDF files via OCR.
3.No page quantity limitations for converted PDF files.
Remove Watermark Now

अ. दिए गए अंश का अनुवाद हिन्दी में कीजिए ।

Many parents make the mistake of teac... respect for elders, but that is wrong. Everyone deserves respect, regardless of age or social standing. Respect is an essential moral value that your child must know about at a young age, as it plays an important role in his behaviour around strangers and elders. If a toddler learns to respect his peers and his elders from a young age, there is no doubt that he will benefit from this in the future.

Day 3

आ. सही जवाब के बगल वाले अक्षर पर गोलाकार निशान बनाइए ।

१. जेल के चारों -------- कड़ा पहरा लगा है ।

क. ओर	ख. और
ग. दिशा	घ. दीवार

२. वह निरन्तर आगे ------- चला जा रहा है ।

क. बाढ़ ख. बड़

ग. बड़ता घ. बढ़ता

३. अहा ! क्या सफर -------

क. है ? ख. है ।

ग. है ! घ. है :

४. मेरा जीवन का ------- है कि मैं डॉक्टर बनूँ ।

क. पक्ष ख. लक्ष्य

ग. लगन घ. लक्षण

५. ऐसा लगता है कि आज आँधी --------- ।

क. आएंगी ख. आएंगे

ग. आएगा घ. आएगी

This is a watermark for the trial version, register to get the full one!

Benefits for registered users:

1.No watermark on the output documents.

2.Can operate scanned PDF files via OCR.

3.No page quantity limitations for converted PDF files.

Remove Watermark Now

बहाना १: मेरे पास धन नहीं...

जवाब: इन्फोसिस के पूर्व चेयरमैन नारायणमूर्ति के पास भी धन नहीं था, उन्हें अपनी पत्नी के गहने बेचने पड़े...

बहाना २: मुझे बचपन से परिवार की जिम्मेदारी उठानी पड़ी...

जवाब: लता मंगेशकर जी को भी बचपन से परिवार की जिम्मेदारी उठानी पड़ी थी...

बहाना ३: मैं इतनी बार हार चुका, अब हिम्मत नहीं...

जवाब: अब्राहम लिंकन १५ बार चुनाव हारने के बाद राष्ट्रपति बनें...

बहाना ४: मुझे बचपन से मंद बुद्धि कहा जाता है...

जवाब: थामस अल्वा एडीसन को भी बचपन से मंदबुद्धि कहा जाता था...

बहाना ५: मेरी कम्पन की एक बार दिवाला निकल चुकी है, अब मुझ पर कौन भरोसा करेगा...

जवाब: दुनिया की सबसे बड़ी शीतल पेय निर्माता पेप्सी कोला की भी दो बार दिवाला निकल चुकी है...

सार: आज आप जहाँ भी हैं या कल जहाँ भी होंगे इसके लिए आप किसी और को जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते । इसलिए आज चुनाव कीजिए, सफलता और सपने चाहिए या खोखले बहाने ???

This is a watermark for the trial version, register to get the full one!

Benefits for registered users:
1.No watermark on the output documents.
2.Can operate scanned PDF files via OCR.
3.No page quantity limitations for converted PDF files.

Remove Watermark Now

क. संज्ञा-संबंधी अशुद्धियाँ

(1) हिन्दी के प्रचार में आज-भी **बड़े-बड़े संकट** हैं। **(बड़ी-बड़ी बाधाएँ)**
(2) सीता ने गीत की दो-चार **लड़ियाँ** गायीं। **(कड़ियाँ)**
(3) पतिव्रता नारी को छूने का **उत्साह** कौन करेगा। **(साहस)**
(4) कृषि हमारी व्यवस्था **की रीढ़** है। **(का आधार)**
(5) प्रेम करना तलवार की **नोक पर** चलना है। **(धार पर)**

ख. लिंग संबंधी अशुद्धियाँ

(1) परीक्षा की प्रणाली **बदलना** चाहिए **(बदलनी)**
(2) हिन्दी की शिक्षा अनिवार्य कर **दिया गया। (दी गयी)**

(3) मुझे मजा **आती** है। **(आता)**
(4) रामायण **का** टीका। **(की)**
(5) देश **की** सम्मान की रक्षा करो। **(के)**

ग. वचन-संबंधी अशुद्धियाँ

(1) **सबों** ने यह राय दी। **(सब)**
(2) उसने अनेक प्रकार की **विद्या** सीखीं। **(विद्याएँ)**
(3) मेरे **आँसू** से रूमाल भींग गया। **(आँसुओं)**
(4) ऐसी एकाध **बातें** सुनकर दुःख होता है। **(बात)**
(5) हमारे **सामानों** का ख्याल रखियेगा। **(सामान)**

This is a watermark for the trial version, register to get the full one!

Benefits for registered users:
1.No watermark on the output documents.
2.Can operate scanned PDF files via OCR.
3.No page quantity limitations for converted PDF files.

Remove Watermark Now

ङ सर्वनाम-संबंधी अशुद्धियाँ

(1) **मेरे से** मत पूछो। **(मुझ से)**
(2) **मेरे को** यह बात पसंद नहीं। **(मुझे)**
(3) **तेरे को** अब जाना चाहिए। **(तुझे)**
(4) **मैंने** नहीं जाना। **(मुझे)**
(5) आप **आपका** काम करो। **(अपना)**

च. विशेषण-संबंधी अशुद्धियाँ

(1) उसे **भारी** प्यास लगी है। **(बहुत)**
(2) जीवन और साहित्य का **घोर** संबंध है। **(घनिष्ठ)**

(3) मुझे **बड़ी** भूख लगी है। **(बहुत)**

(4) यह एक **गहरी** समस्या है। **(गंभीर)**

(5) वहाँ **भारी भरकम** भीड़ जमा थी। **(बहुत या बहुत भारी)**

छ. क्रिया-संबंधी अशुद्धियाँ

(1) वह कुरता **डालकर** गया है। **(पहनकर)**

(2) पगड़ी **ओढ़कर** आओ। **(बाँधकर)**

(3) वह लड़का मोटर **हाँक** सकता है। **(चला)**

(4) छोटी उम्र शिक्षा **लेने** के लिए है। **(पाने)**

(5) वे दस-बारह पशु **उठा** ले गए। **(हाँक)**

This is a watermark for the trial version, register to get the full one!

Benefits for registered users:

1.No watermark on the output documents.

2.Can operate scanned PDF files via OCR.

3.No page quantity limitations for converted PDF files.

Remove Watermark Now

झ. पदक्रम-संबंधी अशुद्धियाँ

(1) छात्रों ने मुख्य अतिथि को **एक फूलों की माला** पहनाई। **(फूलों की एक माला)**

(2) भीड़ में **चार पटना के व्यक्ति** भी थे। **(पटना के चार व्यक्ति)**

(3) **कई बैंक के कर्मचारियों** ने प्रदर्शन किया। **(बैंक के कई कर्मचारियों)**

(4) आप जाएँगे **क्या** ? **(क्या आप जाएँगे ?)**

ञ. द्विरुक्ति/पुनरुक्ति-संबंधी अशुद्धियाँ

(1) मैं तुम्हारी मदद कर सकता हूँ **बशर्ते कि** तुम मेरा कहा मानो। **(बशर्ते/शर्त है कि)**

(2) **दरअसल में** वह बहुत काइयाँ है। **(दरअसल/असल में)**

(3) **दरहक़ीक़त में** वह बहुत घाघ। है **(दरहक़ीक़त/हकीकत में)**

(4) **फिलहाल में** वह मुंबई गया है। **(फिलहाल/हाल में)**

(5) **मुख्तसर में** 'गोदान' ग्रामीण जीवन का महाकाव्य है। **(मुख्तसर)**

ट. अधिकपदत्व-संबंधी अशुद्धियाँ

निम्नलिखित वाक्यों में मोटे अक्षरों में छपे पद अनावश्यक है-

(1) मानव ईश्वर की **सबसे** उत्कृष्टतम कृति है।

(2) हीन भावना से ग्रस्त मोहन अपने को दुनिया का **सबसे** निकृष्टतम व्यक्ति समझता है।

(3) सीता नित्य गीता **को** पढ़ाती है।

(4) उसने **गुप्त** रहस्य प्रकट कर दिये।

(5) माली जल से पौधों को सींच रहा था।

This is a watermark for the trial version, register to get the full one!

Benefits for registered users:
1.No watermark on the output documents.
2.Can operate scanned PDF files via OCR.
3.No page quantity limitations for converted PDF files.

Remove Watermark Now

Day 5

अनुवाद

नीचे दिए गए अंश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

As a man was passing the elephants, he suddenly stopped, confused by the fact that these huge creatures were being held by only a small rope tied to their front leg. No chains, no cages. It was obvious that the elephants could, at any time, break away from their bonds but for some reason, they did not.

He saw a trainer nearby and asked why these animals just stood there and made no attempt to get away. “Well,” the trainer said, “when they are very young and much smaller we use the same size rope to tie them and, at that age, it’s enough

to hold them. As they grow up, they are conditioned to believe they cannot break away. They believe the rope can still hold them, so they never try to break free.”

13TH – 17TH APRIL

Day 1

कामनाओं का हार

This is a watermark for the trial version, register to get the full one!

Benefits for registered users:

1.No watermark on the output documents.

2.Can operate scanned PDF files via OCR.

3.No page quantity limitations for converted PDF files.

Remove Watermark Now

कहानी का सारांश

- बचपन से ही वैष्णवी की बहुत सी इच्छाएँ थी
- [illegible] अपनी इच्छ[illegible]
- [illegible] में देखती है ।
- वैष्णवी की शादी एक इंजीनियर से हो जाती है । शादी पर उसे हीरे का हार की जगह हीरे की पैंडन दी जाती है और वैष्णवी की हीरे का हार की कामना अधूरी रह जाती है ।
- शादी के बाद वह पति के साथ शिकागो के छोटे से अपार्टमेंट में रहने लगी ।
- जो भी सुनता कि उसका पति स्टुडेंट वीजा पर आया है वह वैष्णवी को नीची नजरों से देखता ।
- उन्हें अमरीका में रहते बीस वर्ष हो गए पर वैष्णवी की हार की कामना अब तक कामना ही है ।
- कथा में रजस भाव के बारे में सुनने के बाद वह अपनी तामसिक कामना को त्याग देती है ।

१. कथावस्तु/कथानक

यह कहानी नारी जीवन और उनकी इच्छाओं तथा कुर्बानियों पर आधारित है । कामनाएँ हर किसी के अन्दर होती है; किसी की पूरी होती है और किसी की नहीं । हर नारी की तरह वैष्णवी को हीरे की हार की कामना थी । घर वालों ने कहा कि शादी के बाद पति से कह कर इस कामना को पूरी कर लेना और इसी आशा के साथ वह पति के साथ शिकागो आ गई । अक्सर ऐसा होता है कि अगर किसी की शादी किसी विदेशी के साथ हुई तो लोग समझते हैं कि बस उनकी लॉटरी लग गई । विदेश आकर जब भी वैष्णवी अपनी कामनाओं की पूर्ति की सोचती तो घर के खर्च के सामने उसे अपनी इच्छा तुच्छ लगती । वह अपनी कामना को कुर्बान करती रही । इसी तरह बीस वर्ष बीत गए । अब तो उनके बच्चे भी बड़े हो गए । वैष्णवी को अब महसूस हुआ कि उसकी कामना तामसिक है और वह दूसरों को खुश करने में अपनी खुशी ढूँढ़ने लगी ।

This is a watermark for the trial version, register to get the full one!

Benefits for registered users:
1.No watermark on the output documents.
2.Can operate scanned PDF files via OCR.
3.No page quantity limitations for converted PDF files.

Remove Watermark Now

२. पात्र

वैष्णवी

इस कहानी में वैष्णवी नारियों के गुणों की प्रतिनिधित्व करती है कि नारियों की कितनी कामनाएँ होती हैं पर उनमें समझ भी उतनी ही होती है । वैष्णवी ने अपनी कामनाओं को कभी अपने पति के सामने जहिर नहीं की । उसे पता था कि उसके घर के खर्च ज्यादा है इसलिए उसने अपनी कामना को यथार्थ नहीं होने दिया । कई बार माता-पिता अपने बच्चों के लिए अपनी कामनाओं को कुर्बान कर देते हैं । वैष्णवी ने भी अपने परिवार के लिए अपनी कामनाओं को कुर्बान किया । बाद में चलकर उसके चरित्र में परिवर्तन देखने को मिलता है । कथा में जब उसने तामसिक और सात्विक भाव के विषय में सुना तो वह तमस से रजस की ओर मुड़ गई ।

३. संवाद अथवा कथोपकथन

इस कहानी में बहुत कम संवाद है, सिर्फ वैष्णवी के मौसी तथा अन्य विदेशी लोगों के बीच छोटे-छोटे वाक्यों में संवाद का प्रयोग हुआ है । इन संवादों से उन पात्रों का वैष्णवी के प्रति व्यवहार का पता चलता है ।

४. भाषा-शैली

इस कहानी की भाषा सरल तथा स्पष्ट है । इस कहानी को वर्णनात्मक शैली में लिखा गया है । घटनाओं का वर्णन सरल शब्दों में किया गया है ताकि पाठकों को पढ़ने और समझने में दिक्कत न हो । लेखक ने भाषा को प्रभावकारी अथवा सुन्दर बनाने के लिए मुहवरों और लोकोक्तियों का भी प्रयोग किया है ।

५. देशकाल अथवा वातावरण

This is a watermark for the trial version, register to get the full one!

Benefits for registered users:

1.No watermark on the output documents.

2.Can operate scanned PDF files via OCR.

3.No page quantity limitations for converted PDF files.

Remove Watermark Now

यह कहानी उस समय की है जब भारतीय पत्नियाँ अपना घर [illegible] के लिए अपनी कामनाओं की बलि चढ़ा देती थीं । मुसीबत के समय [illegible] अपने जेवर बेच भी देती थीं ताकि घर [illegible] हो सके ।

६. उद्देश्य

मनुष्य इच्छाओं का पुतला है । इच्छाओं को दबाना मुश्किल ही नहीं अपितु नामुमकिन है । बस इसका एक ही उपाय है कि **अपनी इच्छाओं को सकरात्मक (सात्विक) दिशा दी जाए ।**

अभ्यास

१. यह प्रकृति किन तीन गुणों के समिश्रण से बनी हुई है ? वैष्णवी की कामना कौन-सा गुण था ?

२. सत्कर्म, रजकर्म और तमसकर्म को उदाहरण सहित समझाइए ।

३. अपनी प्रवचन में महात्मा जी बोन्साई पेड़ का उदाहरण देते हुए लोगों को क्या संदेश देने की चेष्टा की है ?

४. किस कारण से वैष्णवी अपने हीरे का हार की कामना को अपने पति से व्यक्त करने में हिचकिचाती थी ।

५. इस कहानी के उद्देश्य को उदाहरण सहित लिखिए ।

६. वैष्णवी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

७. जैसे ही पता चलता कि वैष्णवी का पति स्टुडेंट वीजा पर आया है, उन लोगों की बातों का उत्साह क्यों धीमा पड़ जाता है ?

८. "अनेक अपूर्ण कामनाओं के साथ जीते हुए नारी ने परिवार पर अपना स्त्री-धन लुटाया है ।" इस पंक्ति को उदाहरण सहित समझाइए ।

This is a watermark for the trial version, register to get the full one!

Benefits for registered users:
1.No watermark on the output documents.
2.Can operate scanned PDF files via OCR.
3.No page quantity limitations for converted PDF files.

Remove Watermark Now

Wondershare™

१०. "तेते पाँव पसारिए जेति लम्बी सौर", यह कहावत इस कहानी पर खरा उतरता है । इस से आप कहाँ तक सहमत हैं । ५०-६० शब्दों का एक परिछेद लिखिए ।

११. अपनी कामनाओं की पूर्ति के लिए क्या करना चाहिए ?

१२. रेणू राजवंशी ने इस कहानी के जरिए नारी की दयनीय दशा का उल्लेख करने में सफलीभूत हुई है । आज की नारियों के लिए आपका क्या संदेश है ?

१३. रामायण में नवधा भक्ति के अंतर्गत आँठवी भक्ति है – “अष्टम यथा लाभ संतोष,
सपनेहु नहीं देखो परदोष ।”
इसका अर्थ लिखिए तथा इस कहानी में से मिलता-जुलता उदाहरण दीजिए ।

Day 2

क. लोकोक्तियाँ

अर्थ लिखिए तथा वाक्यों में प्रयोग करें ।

१. आग लगने पर कुआँ खोदना –

२. कटे पर नमक लगाना –

३. एक और एक ग्यारह होना –

This is a watermark for the trial version, register to get the full one!
Benefits for registered users:
1.No watermark on the output documents.
2.Can operate scanned PDF files via OCR.
3.No page quantity limitations for converted PDF files.
Remove Watermark Now

४. दूध का दूध, पानी का पानी –

५. बन्दर के गले में मोती का हार –

ख. मुहावरे

१. ईद का चाँद –

२. घाट-घाट का पानी पीना –

३. मिट्टी में मिलना –

४. आकाश-पताल का अन्तर –

५. मंझधार में छोड़ना –

Day 3

सीता को सोने का मृग चाहिए

कविता की कथानक

This is a watermark for the trial version, register to get the full one!

Benefits for registered users:

1.No watermark on the output documents.

2.Can operate scanned PDF files via OCR.

3.No page quantity limitations for converted PDF files.

Remove Watermark Now

व्यर्थ था ।

रस

इस कविता में करुण रस का प्रयोग किया गया है । मायावी मृग के पुकारने पर लक्ष्मण का वन में जाना और उसके बाद सीता हरण; यह बहुत दुखदायी है ।

उद्देश्य

इस कविता का उद्देश्य है लोगों को वास्तविक जीवन से अवगत कराना । अक्सर लोग संसार के नकली चीजों में इतना चूर हो जाते हैं कि वे अपनों को ही भूल जाते हैं । बिना सच्चाई जाने लोग दूसरों पर संदेह करते हैं जैसे सीता ने लक्ष्मण पर किया था । हमारे पास जितना है हमें उसी में सन्तुष्ट रहना चाहिए ।

अभ्यास

१. सीता राम से क्या चाहती है ?

सीता श्रीराम से सोने का मृग चाहती है ।

२. सीता क्यों उसे चाहती है ?

सीता उस मृग की छाल पहनना चाहती है ।

३. राम कहाँ चल दिए ?

राम मृग को मारने के लिए उसके पीछे चल पड़े ।

४. क्या राम जनते थे कि सोने के मृग होते हैं ?

जी हाँ ! राम जानते थे कि सोने के मृग नहीं होते । वह तो रावण का भेजा हुआ एक माया जाल था ।

This is a watermark for the trial version, register to get the full one!

Benefits for registered users:

1.No watermark on the output documents.

2.Can operate scanned PDF files via OCR.

3.No page quantity limitations for converted PDF files.

Remove Watermark Now

८. लक्ष्मण क्यों नहीं राम की सहायता के लिए जाना चाहता है ?

लक्ष्मण इसलिए राम की सहायता के लिए नहीं जाना चाहता है क्योंकि वे जानते हैं कि श्री राम को कोई मार व पराजय नहीं सकता है । दूसरी बात यह है कि वह अपने भाई की आज्ञा का उलंघन नहीं करना चाहता था । श्री राम ने उन्हें सीता की रक्षा हेतु सतर्क रहने को कहा था । ऐसे में उसनें सीता को अकेले छोड़ कर जाना उचित नहीं समझा ।

९. लक्ष्मण के विषय में सीता क्या सोचती है ?

लक्ष्मण के विषय में सीता संदेह करने लगती है । उसकी दृष्टि में लक्ष्मण

This is a watermark for the trial version, register to get the full one!

Benefits for registered users:
1.No watermark on the output documents.
2.Can operate scanned PDF files via OCR.
3.No page quantity limitations for converted PDF files.

Remove Watermark Now

रामायण के नवधा भक्ति में आँठवा भक्ति कहलाता है कि "अष्टम यथा लाभ संतोषा", अर्थात् हमारे पास जो कुछ है, उसी में संतुष्ट रहना चाहिए ।
हमें किसी पर बेवजह संदेह नहीं करना चाहिए । सीता ने लक्ष्मण पर संदेह किया जिसके कारण लक्ष्मण सीता को असहाय छोड़ कर श्रीराम की सहायता के लिए चल पड़े । फिर रावण आकर सीता का हरण करता है जिसके लिए सीता को बहुत पछताना पड़ा ।

Day 4

दीपदान

एकांकी का सारांश लिखिए

१. कथावस्तु/कथानक लिखिए

२. **पात्र**

चरित्र चित्रण कीजिए :

पन्ना धाय
This is a watermark for the trial version, register to get the full one!
Benefits for registered users:
1.No watermark on the output documents.
2.Can operate scanned PDF files via OCR.
3.No page quantity limitations for converted PDF files.
Remove Watermark Now
Wondershare™

कीरत बारी

बनवीर

३. संवाद अथवा कथोपकथन लिखिए

४. भाषा-शैली कैसी है ?

५. देशकाल अथवा वातावरण पर प्रकाश डालिए

६. उद्देश्य लिखिए

Day 5

कर्मभूमि

गांधीवाद की अभिव्यक्ति

'कर्मभूमि' में गांधी जी के विचारों का चित्रण किस प्रकार से हुआ है –

१. **सत्य**

२. **अहिंसा**

३. **सत्याग्रह**

४. **हृदय-परिवर्तन**

This is a watermark for the trial version, register to get the full one!

Benefits for registered users:
1.No watermark on the output documents.
2.Can operate scanned PDF files via OCR.
3.No page quantity limitations for converted PDF files.

Remove Watermark Now

५. [illegible]

६. **छुआछूत-निवारण**

७. [illegible]

८. **बुराई का विरोध**

९. **समझौता-नीति**

१०. **चर्खा**

20TH – 24TH APRIL

Day 1

मुखौटा जड़ा मन

१. **कथावस्तु/कथानक**

This is a watermark for the trial version, register to get the full one!

Benefits for registered users:
1.No watermark on the output documents.
2.Can operate scanned PDF files via OCR.
3.No page quantity limitations for converted PDF files.

Remove Watermark Now

इस एकांकी में एकांकीकार ने कुतूहल का प्रयोग किया है । [illegible] मुखौटे बनाकर बेचता है । शंकर का मानना है कि लोग [illegible] बनाए मुखौटे को लगाकर अपराध करते हैं इसलिए [illegible] को उस इलाके में मुखौटे बेचने से मना करता है और [illegible] कहता है । दोनों [illegible] को जानने के लिए पाठक में जिज्ञासा बढ़ती है । दो युवक आकर उनको छुड़ाते हैं और शंकर से पैसा ऐंठ कर चले जाते हैं । शंकर की मुलाकात मन से होती है जो मुखौटे से जड़ा हुआ होता है । मन शंकर को बताता है कि मस्तिष्क मन के आधीन है । लोग पढ़े-लिखे होने के बावजूद गलत कार्य करते हैं क्योंकि उनका मन उनको भटकाता है । उनका मन लोभ नामक मुखौटे से ढका हुआ है ।

२. **पात्र**

इस एकांकी में पात्रों की संख्या सीमित है । पात्रों की रूपरेखा स्पष्ट और गहरी है तथा उनकी मानसिक प्रतिक्रिया का पता चलता है ।

मोहन

- २५ वर्ष का युवक है
- मुखौटे बनाकर बेचता है और अपने परिवार का पेट पालता है

- अपने हक के लिए लड़ता है

शंकर

- ३० वर्ष का व्यक्ति है
- अहंकारी है इसलिए गलती करने पर भी माँफी नहीं माँगता है
- सारे अपराध का दोष मोहन को देता है
- मन से वार्तालाप के बाद खुद को बदलने के लिए कोशिश करने को कहता है

मन

- मुखौटा से जड़ा हुआ है
- मस्तिष्क को भटकाता है
- शंकर को मुखौटों का अन्तर बताता है
- शंकर को मुखौटा उतारने का उपाय भी बताता है
- आशावादी है कि एक दिन लोभ का मुखौटा उतरेगा

This is a watermark for the trial version, register to get the full one!

Benefits for registered users:
1.No watermark on the output documents.
2.Can operate scanned PDF files via OCR.
3.No page quantity limitations for converted PDF files.

Remove Watermark Now

मन बड़ा ही चंचल है । यह मस्तिष्क को भटकाता रहता है । हर मानव लोभ का मोखौटा पहना हुआ है । प्रेम, सच, करुणा, दया आदि भाव को असत्य, निर्दयता, जलन जैसे मुखौटे ने ढक दिया है । मनुष्य को चाहिए कि वे अपने विचार व कर्म में परिवर्तन लाते हुए इन मुखौटों को उतार कर अपने मन को शान्त करें ।

अभ्यास

१. क्या यह नाटक आज के मानव जीवन से मेल करता है ? कैसे ?

२. इस नाटक द्वारा यह दर्शाया गया है कि मस्तिष्क मन का गुलाम है । क्या आप इस से सहमत हैं ? क्यों ?

३. इस नाटक के शीर्षक की सार्थकता पर उदाहरण देते हुए प्रकाश डालिए ।

४. इस नाटक के संवाद और रंगमंच के व्यवस्था पर चर्चा कीजिए ।

५. इस नाटक के उद्देश्य को उदाहरण सहित लिखिए ।

६. धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए कैसे हानिकारक होता है ? समझाइए ।

This is a watermark for the trial version, register to get the full one!

Benefits for registered users:
1.No watermark on the output documents.
2.Can operate scanned PDF files via OCR.
3.No page quantity limitations for converted PDF files.

Remove Watermark Now

(धम्रपान, शराब, नशीले पदार्थों) से कैसे दूर रखा जा सकता है ?

१०. इस नाटक में कुछ कुरीतियों का जिक्र किया गया है । उन्हें पहचानिए और उनका निदान का उपाय बतलाइए ।

११. यह नाटक आज के नवयुवकों को क्या संदेश देती है ?

१२. अपने समाज में प्रचलित कुछ कुरीतियों को मुखरित कीजिए ।

१३. शराब, धुम्रपान यंगोना आदि के उपयोग से पारिवारिक समस्याओं का

उल्लेख कीजिए ।

१४. आप के विचार से कौन बुरा है – बुरी वस्तुओं को बनाने वाला अथवा प्रयोग करने वाला ।

१५. प्रस्तुत नाटक के माध्यम से नाटककार ने क्या संदेश देना चाहा है ? एक परिच्छेद लिखिए ।

Day 2

कर्मभूमि

This is a watermark for the trial version, register to get the full one!

Benefits for registered users:
1.No watermark on the output documents.
2.Can operate scanned PDF files via OCR.
3.No page quantity limitations for converted PDF files.

Remove Watermark Now

यहाँ पर किस की बातें हो रही है ?

क. समरकांत ख. शान्ति

ग. सलीम घ. अमरकांत

२. "कालेखाँ चोर होते हुए भी एक नेक इंसान था ।" उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए ।

३. कर्मभूमि उपन्यास में गाँधीवाद के किन्ही दो सिद्धान्तिक पक्ष पर प्रकाश डालिए ।

४. अमरकांत गुण सम्पन्न पात्र है, फिर भी उसके चरित्र में कुछ कमजोरियाँ हैं । इस बात से आप कहाँ तक सहमत हैं ? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए ।

५. कर्मभूमि उपन्यास एक उद्देश्यपूर्ण रचना है । संक्षेप में समझाइए ।

Day 3

रचना कार्य

इस वाक्य को कहीं पर भी प्रयोग करते हुए एक लेख लिखिए ।

अपने दोस्क की प्रतिक्षा करते-करते मैं उदास हो गया था । न जाने ....

Day 4

किसी को कोविड-१६ का शिकार होने का एक रिपोर्ट लिखिए ।

- किसे - कब - कहाँ - कैसे - क्यों

Day 5

This is a watermark for the trial version, register to get the full one!

अनुवाद

Benefits for registered users:
1.No watermark on the output documents.
2.Can operate scanned PDF files via OCR.
3.No page quantity limitations for converted PDF files.
Remove Watermark Now

There is currently no vaccine to prevent coronavirus disease 2019 (COVID-19).
The best way to prevent illness is to avoid be
The virus is thought to spread mainly from p
between people who are in close contact with one another (within about 6 feet).
Through respiratory droplets produced when an infected person coughs or sneezes.
These droplets can land in the mouths or noses of people who are nearby or possibly be inhaled into the lungs.

27TH APRIL- 1ST MAY

Day 1

इस चित्र का अध्ययन करके एक लेख लिखिए । उचित शीर्षक भी दीजिए ।

This is a watermark for the trial version, register to get the full one!

Day 2

Benefits for registered users:
1.No watermark on the output documents.
2.Can operate scanned PDF files via OCR.
3.No page quantity limitations for converted PDF files.
Remove Watermark Now
wondershare™

पत्र लेखन

[illegible] पत्र लिखकर इस कोरोना से बचाव । कल्पित नाम तथा पता लिखिए ।

Day 3

अनुवाद

If you wish to acquire a healthy lifestyle, you will certainly have to make some changes in your life. Maintaining a healthy lifestyle demands consistent habits and disciplined life. There are various good habits that you can adopt like exercising regularly which will maintain your physical fitness. It also affects your mental health as when your appearance enhances, your confidence will automatically get boosted.

Day 4

विद्यार्थी जीवन पर एक निबन्ध लिखिए ।

Day 5

कर्मभूमि उपन्यास में अमरकान्त का चरित्र चित्रण कीजिए ।

This is a watermark for the trial version, register to get the full one!

Benefits for registered users:
1.No watermark on the output documents.
2.Can operate scanned PDF files via OCR.
3.No page quantity limitations for converted PDF files.

Remove Watermark Now

Wondershare™